RESEARCH HUB – International Multidisciplinary Research Journal (RHIMRJ)

नेपाल का 2007 का अंतरिम संविधान

डॉ. राजेश कुमार

Abstract:
अंतरिम संविधान केवल तब तक के लिए बनाया गया जब तक की निर्वाचित संविधान सभा के द्वारा एक नए संविधान का निरूपण ना कर लिया जाए। 10 अप्रैल 2008 को सभा के चुनाव हुए लेकिन संविधान सभा अपने कार्यकाल में वृद्धि के बावजूद भी संविधान का निर्माण नहीं कर पाई। संघात्मक व्यवस्था, लोकतंत्र आदि प्रमुख चुनौतियां रहीं। अंततः मई 2012 में जनसभा का विघटन कर दिया गया। इसके बाद नवंबर 2013 में नई संविधान सभा के चुनाव हुए। इसमें भी खंडित जनादेश रहा। विधानसभा ने विधान के निर्माण का प्रयास करने में प्राप्त की।

Keywords: *संविधान, साम्यवादी, राजतंत्र, राजनैतिक परिवर्तन, जन आंदोलन, संविधान सभा, अंतरिम संविधान*

परिचय

अंतरिम संविधान संवैधानिक व्यवस्था

नेपाल के 2008 के संविधान सभा के चुनावों से यह स्पष्ट संदेश मिला है की किसी भी देश के लोग अपने देश को हिंसा में जलने से बचाना चाहते हैं। देश में अमन शांति हो, इसको वे बहुत महत्व देते हैं। नेपाल में माओवादियों को वर्षों के हिंसक संघर्ष से वैसी सफलता नहीं मिली, जो उन्हें तब मिलना शुरू हुए जब उन्होंने विभिन्न लोकतांत्रिक ताकतों से हाथ मिला कर निरंतर निरंकुश होती राजशाही के विरूद्ध उबर रहे व्यापक जन आंदोलन का हिस्सा बनना स्वीकार किया था। इससे ही एवं 2006 के बाद नेपाल में राजनीतिक परिवर्तन का संदर्भ बना।

नेपाल के अंतरिम संविधान की औपचारिक घोषणा 10 दिसंबर 2006 को शांति समझौते को साकार रूप प्रदान करने के लिए की गई। इस व्यापक समझौते पर हस्ताक्षर नेपाल सरकार और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (मार्क्सिस्ट) के बीच 2006 में हुई। 1999 के प्रतिनिधि सदन के सदस्यों को अंतरिम संसद के रूप में एवं 330 सदस्यों के नए विधानमंडल को अंतरिम समयवधि के लिए शक्तियों प्रदान करते हुए जब तक ही नया संविधान ना बन जाए, 7 पार्टियों एवं सी पी ऐन एम के मध्य आपसी समझ से अंतरिम संविधान का निर्माण किया गया।

साहित्यावलोकन :

2007 के अंतरिम संविधान में 26 भाग 167 सेक्शन एवं 2 अनुसूचियां थी। अंतरिम संविधान की प्रस्तावना लोगों की के प्रति आकांक्षाओं, शांति एवं विभिन्न ऐतिहासिक संघर्षो एवं 1951 से पहले के संघर्षो की प्रगति को ध्यान में रखकर बनाई गई थी। वर्ग, प्रजाति, क्षेत्र की समस्याओं को सुलझाने एवं राज्य को प्रगतिशील पुनर्संरचना प्रदान करने के लिए गंभीर प्रयास किए गए। संविधान एक प्रतिस्पर्धा बहुदलीय लोकतांत्रिक व्यवस्था, स्वतंत्रता, अधिकार मानवाधिकार, पूर्ण, अधिकार, प्रेस की संपूर्ण स्वतंत्रता, स्वतंत्र न्यायपालिका के नियम एवं लोकतांत्रिक सिद्धांतों पर आधारित है। संविधान निर्माताओं ने घोषित किया कि 2007 का अंतरिम संविधान लोकतंत्र, शांति, समृद्धि, प्रगतिशील, सामाजिक, आर्थिक रूपांतरण एवं देश की संप्रभुता एवं प्रतिष्ठा को मुख्य रूप से प्रदर्शित करता हैं।

नेपाल के 2007 के अंतरिम संविधान के मुख्य बिंदु निम्न प्रकार से हैं।

नया राष्ट्रगान
सेना का नया प्रतीक चिन्ह
संप्रभुता का जनता में निवास
330 सदस्यों के एक अंतरिम विधानमंडल का गठन
संसद में महिलाओं के लिए 33प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान

2016, RHIMRJ, All Rights Reserved *ISSN:* 2349-7637 (Online)

प्रधानमंत्री संसदीय सत्रों को बुलाएगा और उनका सत्रावसान करेगा तथा सरकार के वार्षिक कार्यक्रम एवं नीतियों को प्रस्तुत करेगा।

प्रधानमंत्री की शक्तियां मंत्रिमंडल मे निहित होंगी
संविधान सभा के 425 सदस्यों का चुनाव
संविधान सभा की कार्यविधि इसके प्रथम सत्र की तारीख से 2 वर्ष की होगी
मानवाधिकारों को राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के अंतर्गत लाने का प्रावधान
राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को प्रोन्नत कर एक संवैधानिक सभा बनाई जाए
सेनाध्यक्ष की नियुक्ति के लिए मंत्री परिषद् का गठन
संविधान में संशोधन केवल सांसदों के दो तिहाई बहुमत से होगा
राज्य की कार्यकारी शक्ति का प्रमुख प्रधानमंत्री होगा
1990 का नेपाली राजतंत्र का अंतरिम संविधान की औपचारिक घोषणा के बाद निरस्त माना जाएगा।

अंतरिम संविधान की प्रस्तावना

नेपाल के अंतरिम संविधान में निम्नलिखित बातें कही गई हैं :–

हम, नेपाल के, सार्वभौमिक शक्तियों के उपयोग कथा राज्य के प्राधिकार को अपने मैं करते हैं जहां के लोगों के पालन उन पवन से अब तक, ऐतिहासिक संघर्ष, तंत्र के लिए आंदोलन, शांति तथा प्रगति के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

संविधान सभा का गठन

संसद की अवधि के समाप्त होने पर अनुच्छेद 44 के खंड 4 के अनुसार संसद का समस्त कार्य संवैधानिक सभा द्वारा देखा जाता है।

1. एक नए संविधान के निर्माण के लिए नेपाली लोगों द्वारा एक संविधानिक सभा का गठन किया गया।
2. संविधान के आगमन के बाद, संवैधानिक सभा के चुनाव की नियत की गई।
3. संवैधानिक सभा में तो 425 सदस्य थे जिनमें से चार सौ और 9 मिश्रित चुनाव द्वारा चुने गए और 16 सदस्य मनोनीत किए गए।
4. सभी वर्गो महिला, दलितों, जनजातियाँ, मधेशी, पिछड़े वर्गो के लोगों को भी समान प्रतिनिधित्व दिया जाएगा।
5. संवैधानिक सभा के सदस्यों का चुनाव गुप्त मतदान पद्वति से किया जाएगा जैसा कि कानून में वर्णित है।
6. चुनाव के उद्देश्य के लिए प्रत्येक नेपाली नागरिक जिसने 18वर्ष की उम्र प्राप्त कर ली हो उसे मत देने का अधिकार होगा।

मूल अधिकारों की व्यवस्था

2007 के अंतरिम संविधान में मूल अधिकारों की व्यवस्था निम्न प्रकार से है :–

स्वतंत्रता का अधिकार
समता का अधिकार
अस्पृश्यता का अंत
प्रकाशन, प्रेस से संबंधित अधिकार
पर्यावरण संबंधी अधिकार
शिक्षा में संस्कृति से संबंधित अधिकार
रोजगार में सामाजिक सुरक्षा से संबंधित अधिकार
संपत्ति का अधिकार
महिलाओं के अधिकार

2016, RHIMRJ, All Rights Reserved

ISSN: 2349-7637 (Online)

सामाजिक न्याय का अधिकार
बालकों का अधिकार
धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार
न्याय से संबंधित अधिकार
गिरफ्तारी से निरोध का अधिकार
शोषण का अधिकार
सूचना का अधिकार
शोषण के विरूद्ध अधिकार

कार्यपालिका की शक्ति

1. नेपाल की कार्यपालिका की शक्ति संविधान के अनुसार मंत्रिपरिषद में निहित है।
2. निर्देश देने की शक्ति, नियत्रंण और प्रशासन का विनिमय यन करने की शक्ति भी के अनुसार मंत्रिपरिषद में निहित हैं।
3. नेपाल की कार्यपालिका के कार्य नेपाल की सरकार के नाम पर किए जाते ळें

मंत्री परिषद का गठन

प्रधानमंत्री और उसकी मंत्री गठित की जाएगी जिसका प्रमुख प्रधानमंत्री होगा जो राजनीतिक सहमति आधार पर नियुक्त होगा।

अगर किसी एक राजनीतिक जन सहमति पर नहीं पहुंच पाते हैं प्रधानमंत्री व्यवस्थापिका के दो तिहाई सदस्यों द्वारा निर्वाचित किया जाएगा।

मंत्री परिषद् में उप प्रधानमंत्री अन्य मंत्री होंगे।

शपथ

प्रधानमंत्री पद और गोपनीयता की शपथ के समक्ष लेता है।

व्यवस्थापिका संसद की सरंचना

संघ के लिए एक संसद होगी जो कि एक सदन वाली होगी 330 सदस्य होंगे 209 सदस्य राजनीतिक पार्टियों से चुनकर आएंगे जो कि निम्न सदन और राष्ट्रीय सभा के सदस्य कहलाएंगे 73 सदस्य संयुक्त वाममोर्चा से आते हैं

नेपाल का नागरिक हो

कम से कम 25 वर्ष की आयु का हो लोगों के आंदोलन के प्रति समर्पित हो किसी लाभ के पद पर आसीन ना हो

न्यायपालिका

नेपाल में निम्न न्यायालय होंगे –

सर्वोच्च न्यायालय
अपीलीय न्यालय
जिले का न्यायालय

2016, RHIMRJ, All Rights Reserved

ISSN: 2349-7637 (Online)

निष्कर्ष

अंतरिम संविधान केवल तक के लिए बनाया गया जब तककी निर्वाचित संविधान सभा के द्वारा एक नए संविधान का निरूपण ना कर लिया जाए।

10 अप्रैल 2008 को सभा के चुनाव हुए लेकिन संविधान सभा अपने कार्यकाल में वृद्धि के बावजूद भी संविधान का निर्माण नहीं कर पाई। अंततः मई 2012 मे जनसभा का विघटन कर दिया गया। इसके बाद नवंबर 2013 में नई संविधान सभा के चुनाव हुए। इसमें सभी खंडित जनादेश रहा। विधानसभा ने विधान के निर्माण का प्रयास करने में प्राप्त की।

संदर्भ

1. बीसी उप्रेति, माओइस्ट इन नेपाल फ्रॉम इनसरजेंशी टू पॉलीटिकल मेनस्ट्रीम, कल्पआज पब्लिकेशन नई, दिल्ली 2008
2. विष्णु राज उप्रेति, द प्राइम ऑफ नेगलेक्ट माऊिस्ट इनसरजेंशी इन द हीमालियन किंग्डम भृकुटी अकेडमी काठमांडू 2004
3. उप्रेति बीसी, उपरोक्त
4. विष्णु राज उप्रेति, उपरोक्त
5. मंजूश्री थापा, फॉरगेट काठमांडू, पेंगुइन बुक्स नई दिल्ली 2005
6. शिव बहादुर सिंह, नेपाल स्ट्रगल फॉर डेमोक्रेसी, अध्ययन पब्लिकेशन, नई दिल्ली 2007
7. मंजूश्री थापा, उपरोक्त
8. बीसी उप्रेति, उपरोक्त
9. निश्चल नाथ पांडे, नेपाल माऊिस्ट मूवमेंट एंड इंप्लीकेशंस फोर इंडिया एंड चाइना
10. लोक राज बरार, नेपाल न्यू फ्रंटियर ऑफ रिस्ट्रक्चरिंग ऑफ स्टेट, एंड्राइड पब्लिशर्स, नई दिल्ली 2008

2016, RHIMRJ, All Rights Reserved

ISSN: 2349-7637 (Online)